

### असाधारण

### EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित

# PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 383]

नई विल्ली, बृहस्पतिबार, विसम्बर 1, 1977 प्रग्नहायरा 10, 1899

No. 383]

NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 1, 1977/AGRAHAYANA 10, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग शंकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

#### MINISTRY OF FINANCE

### (Department of Economic Affairs)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 1st December 1977

G.S.R. 725(E).—In exercise of the powers conferred by section 12 of the Government Savings Certificates Act, 1959 (46 of 1959), the Central Government hereby makes the following rules to amend the National Development Bonds Rules, 1977, namely—

- $1\,$  (1) These rules may be called the National Development Bonds (Amendment) Rules,  $1977\,$
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
  - 2 In the National Development Bonds Rules, 1977—
    - (1) in rule 5, in sub-rule (3) after clause (b), the following clause shall be inserted, namely.—
      - "(c) A Trade Union registered under the Trade Unions Act, 1926 (16 of 1926)"
    - (2) in rule 13, after sub-rule (2), the following sub-rule shall be inserted, namely:—
      - "(2-A) No nomination may be made in respect of a Bond held by a Trade
        Union referred to in clause (c) of sub-rule (3) of rule 5".

[No. F.3(29)-NS/77]

K. N ROW, Jt. Secy.

### वित्त मंत्रालय

## (ब्रायिक कार्य विभाग)

# ग्रधिसूचना

# नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 1977

सा० का० नि० 725(भ).—सरकारी बचत पत्न श्रिधिनियम, 1959 (1959 का 46) की धारा 12 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय मरकार एनद्द्वारा राष्ट्रीय विकास बांड नियम, 1977 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, भ्रथति ——

- 1. (1) इत नियमों का नाम राष्ट्रीय विकास बाण्ड (संशोधन) नियम, 19 77 होगा।
- (2) ये नियम राजपन्न मे प्रकाशित होने की तारीख से लागू होगे।
- 2. राष्ट्रीय विकास बाण्ड नियम, 19 77 मे---
  - (1) नियम 5 के उप नियम (3) में खण्ड (ख) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड जोड दिया जायेगा, श्रचात् ——
    - "(ग) व्यापार संघ श्रधिनियम, 1926 (1926 का 16) के श्रन्तर्गेत राष्ट्रीयकृत व्यापार संघ"।
  - (2) नियम 13 में उप नियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित उप नियम् जोड दिया जायगा, श्रर्थात् :---
    - ''(2-क) नियम 5 के उप नियम (3) के खण्ड (ग) मे उल्लिखित व्यापार सष द्वारा खरीदे गए बाण्ड के संबंध में कोई नामाकन पत्न नही भरा जाएगा"।

[सं० एफ० 3(29)-एन० एस०/77] के० एन० राव, सयुक्त सचिव ।